AMAR UJALA, Delhi, 11.1.2021
Page No. 6, Size:(19.53)cms X (16.15)cms.

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन के लिए ग्रेटर नोएडा से सर्वेक्षण शुरू

करीब 800 किलोमीटर का मुख्य गलियारा अयोध्या नगरी से भी जुड़ेगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लिडार) सर्वेक्षण का काम ग्रेटर नोएडा से शुरू किया गया। अत्याधुनिक एरियल लिडार व इमेजरी सेंसरों से लैस एक हेलिकॉप्टर ने पहली उड़ान भरी और जमीनी सर्वेक्षण से संबंधित आंकड़ों को कैमरे में कैद किया। अगले तीन-चार महीने में जमीनी विवरण के आंकड़े जुटाकर इस परियोजना के ट्रैक का एलाइनमेंट तय किया जाएगा। इस काम में 60 मेगापिक्सल कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। दिल्ली से वाराणसी करीब 800 किमी तक का मुख्य गलियारा अयोध्या से भी जुड़ेगा।

300 मीटर क्षेत्र का किया जा रहा है सर्वेक्षण

जेवर हवाई अड्डे को भी जोड़ेगा

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए विस्तृत योजना रिपोर्ट पिछले साल रेल मंत्रालय को सौंप दी गई है। दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रस्तावित योजना दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ेगी। हाई स्पीड रेल मार्ग उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी जोड़ेगा।

सर्वे से संरचनाओं, स्टेशन, डिपो के स्थान और भूखंडों की पहचान की जाएगी

हवाई सर्वेक्षण में प्रस्तावित योजना के आसपास के 300 मीटर क्षेत्र का सर्वे किया जा रहा है। इस माध्यम से संरचनाओं, स्टेशन, डिपो का स्थान, गलियारे के लिए भूमि की आवश्यकता, योजना प्रभावित भूखंडों की पहचान के लिए आंकड़ों को जुटाया जाएगा। इस क्षेत्र में भारतीय सर्वेक्षण विभाग दिल्ली-वाराणसी नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर पर विमान को उड़ाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। गौरतलब है कि अहमदाबाद से मुंबई के बीच भी बुलेट ट्रेन चलाने की भी योजना है।

DAINIK JAGRAN, Delhi, 11.1.2021
Page No. 5, Size:(18.34)cms X (15.86)cms.

काम को रफ्तार लिडार से सर्वेक्षण के लिए सेंसर युक्त हेलीकाप्टर ने उड़ान भरी

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन के लिए सर्वे

जागरण संवाददाता, वाराणसी : नई दिल्ली से वाराणसी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन चलाने की दिशा में हाईस्पीड रेल कारिडोर कारपोरेशन ने एक कदम और बढ़ा दिया है। रविवार को ग्रेटर नोएडा में लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सर्वे) तकनीक से सर्वेक्षण के लिए इमरजेंसी सेंसर युक्त हेलीकाप्टर ने उड़ान भरी और कई महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाए।

लिडार तकनीक से जल्दी होगा काम: काम इससे पहले बीते 13 दिसंबर को भी लिडार सर्वे के लिए ग्रेटर नोएडा में हेलीकाप्टर ने उड़ान भरी थी, लेकिन मौसम खराब होने के कारण बीच रास्ते से लौट आया था। वाराणसी-नई दिल्ली हाई स्पीड रेलवे कारिडोर के सर्वे का काम नेशनल हाई स्पीड को-आपरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) को दिया गया है। लिडार तकनीक की मदद से तीन से चार माह में जमीन से जुड़े सभी विवरण और आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। यही कार्य सामान्य रूप से करने पर 12 महीने तक का समय लग जाता है।

13
दिसंबर को भी सर्वे को हेलीकाप्टर ने भरी थी उड़ान, पर मौसम खराब होने से बीच रास्ते से लौटा

03
से चार महीने में लिडार तकनीक से जमीन से जुड़े सभी विवरण और आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे

यह है लिडार तकनीक

लिडार सर्वे अत्याधुनिक तकनीक है। इसमें आसमान से जमीन पर बनने वाले रास्तों का सर्वेक्षण किया जाता है। लेजर युक्त सेंसर और स्पष्ट तस्वीर के लिए 60 मेगा फिक्सल के कैमरे से लैस हेलीकाप्टर की मदद से जमीन पर मौजूद हर चीज जैसे नीचे रास्ता कैसा है, कहां गड्ढा या ऊंचाई है, कहां नदी-नाले हैं आदि का विस्तार से विवरण मिल जाता है। मुंबई-अहमदाबाद रेल कारिडोर के सर्वे के लिए भी लिडार तकनीक का इस्तेमाल किया जा चुका है।

इन स्थानों को जोड़ेगा यह कारिडोर: दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल कारिडोर के लिए इस परियोजना को मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी व अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों और नोएडा के जेवर में प्रस्तावित अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी जोड़ेगा।

AMAR UJALA (MY CITY), NOIDA, 11.1.2021
Page No. 2, Size:(21.72)cms X (15.84)cms.

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन के लिए ग्रेटर नोएडा से सर्वेक्षण शुरू

करीब 800 किलोमीटर का मुख्य गलियारा अयोध्या से भी जुड़ेगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लिडार) सर्वेक्षण का काम ग्रेटर नोएडा से शुरू किया गया। अत्याधुनिक एरियल लिडार व इमेजरी सेंसरों से लैस एक हेलिकॉप्टर ने पहली उड़ान भरी और जमीनी सर्वेक्षण से संबंधित आंकड़ों को कैमरे में कैद किया।

अगले तीन-चार महीने में जमीनी विवरण के आंकड़े जुटाकर इस परियोजना के ट्रैक का एलाइनमेंट तय किया जाएगा। इस काम में 60 मेगापिक्सल कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। दिल्ली से वाराणसी करीब 800 किमी तक का मुख्य गलियारा अयोध्या से भी जुड़ेगा। हवाई सर्वेक्षण में प्रस्तावित योजना के

आसपास के 300 मीटर क्षेत्र का सर्वे किया जा रहा है। इस माध्यम से संरचनाओं, स्टेशन, डिपो का स्थान, गलियारे के लिए भूमि की आवश्यकता, योजना प्रभावित भूखंडों की पहचान के लिए आंकड़ों को जुटाया जाएगा। इस क्षेत्र में भारतीय सर्वेक्षण विभाग दिल्ली-वाराणसी नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर पर विमान को उड़ाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है।

जेवर हवाई अड्डे को भी जोड़ेगा

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए विस्तृत योजना रिपोर्ट पिछले साल रेल मंत्रालय को सौंप दी गई है। दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रस्तावित योजना दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ेगी। हाई स्पीड रेल मार्ग उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी जोड़ेगा।